मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 204, मुंबई, गुरुवार, 22 सितंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

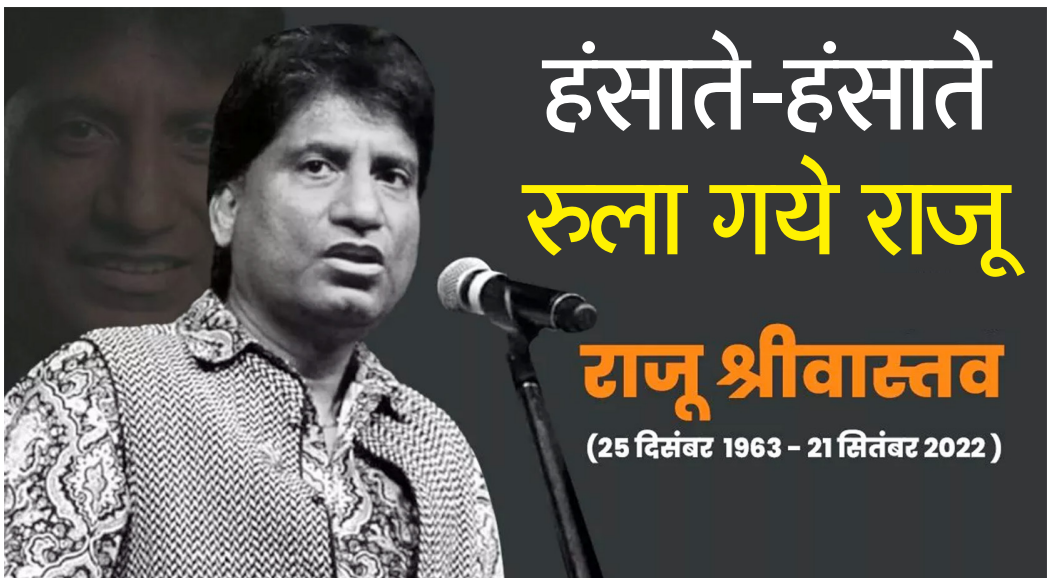

दिल्ली एम्स में निधन

हार्ट अटैक के बाद 42 दिन से चल रहा था इलाज

आज दिल्ली में अंतिम संस्कार

नई दिल्ली। गजोधर भैया अपनी जिंदगी के मंच से उतर गए। सामने लोग बैठे रहे और काला पर्दा झूल गया। राजू श्रीवास्तव की बीमारी और अस्पताल में भर्ती होने की खबरें बनते-बनाते आखिरी खबर आ गई। बुधवार सुबह 10 बजे के करीब दिल्ली एम्स में उनका निधन हो गया। उमर 58 साल थी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

17 फिल्मों में काम किया, आखिरी फिल्म थी फिरंगी: राजू ने 17 फिल्मों में काम किया। शुरूआत तेजाब से हुई। वो दौर टिपिकल हीरो वाली फिल्मों का था, जिसमें लीड हीरो को देखने के लिए ही लोग टॉकीज जाते थे। लेकिन इसी दरमियान एक नॉर्मल से चेहरे ने लोगों को अपनी ओर खींचा। नाम राजू।

देश भर के पत्रकार मित्रों की भावनाओं का किया सम्मान, सियासी अखाड़े में सक्रिय होना टाला : जिग्नेश कलावाड़िया

राजपा के महामंत्री पद से इस्तीफा बिना किसी राजनीतिक दल में शामिल हुए जनहित में काम करेंगे

आने वाले समय में 'पत्रकार सुरक्षा कानून' के लिए लड़ाई को तेज करने पर ध्यान दें, पत्रकारिता के साथ-साथ सामाजिक और सेवा गतिविधियों पर भी अधिक ध्यान दिया जाएगा

मुंबई हलचल / संवाददाता

राजकोट। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिग्नेश कलावाड़िया, जो देश भर में पत्रकारिता जगत में बहुत लोकप्रिय और प्रसिद्ध हैं, उन्होंने गुजरात की राजनीति में सक्रिय होने के अपने फैसले और राष्ट्रीय महामंत्री के पद से अपना इस्तीफा दिया है, राष्ट्रवादी जनचेतना पार्टी के अध्यक्ष मनुभाई चावड़ा को सौंपा गया है। इस्तीफे के समय लिखे गए पत्र में जिग्नेश कलावाड़िया ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत और पारिवारिक कारणों से इस्तीफा दिया और पार्टी के विकास के लिए समय और ऊर्जा नहीं लगा सके। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

जिग्नेश भाई कलावाड़िया
राष्ट्रीय अध्यक्ष (एबीपीएसएस)

अक्सा बीच के पास छिपकली तस्कर गिरफ्तार

वन विभाग को मिली बड़ी सफलता

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की आर्थिक राजधानी मुंबई के अक्सा बीच में मॉनिटर छिपकली की तस्करी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि छिपकली के अंगों का इस्तेमाल दवाई बनाने के लिहाज से तस्करी की गई थी। दरअसल, अक्सा बीच के पास रहने वाले एक शख्स ने पुलिस और वन विभाग को एक ऐसे शख्स को पकड़ने में मदद की है, जो दवाइयों के उद्देश्यों के लिए मांस खाने और तेल निकालने के इरादे से एक भारतीय मॉनिटर छिपकली की अवैध रूप से तस्करी कर रहा था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, एक खबर के मुताबिक, ये मामला मुंबई के अक्सा बीच इलाके का हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

अमेरिकी वीजा के वेटिंग टाइम से भारतीय परेशान

ग्रीन कार्ड तो दूर, अब विजिटर वीजा भी मिलना सपना, दो साल करना होगा इंतजार

नई दिल्ली। फ्लोरिडा में सेटल हो चुके अनिल जेठवानी बेटी की शादी की तैयारियों में जुटे हैं, लेकिन उन्हें दुख है कि शादी में उनके अपने नहीं पहुंच पाएंगे। उनके छोटे भाई समेत 25 करीबी रिश्तेदार भारत में रहते हैं। उन्हें विजिटर वीजा का अपॉइंटमेंट 2024 से पहले नहीं मिल रहा। ऐसे अनेक भारतीय परिवार अमेरिकी वीजा के वेटिंग टाइम से परेशान हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

सबसे ज्यादा परेशानी युवाओं को, जो स्टूडेंट वीजा चाहते हैं

वीजा की वेटिंग से सबसे ज्यादा परेशानी उन युवाओं को है, जो अमेरिका में पढ़ाई करना चाहते हैं। स्टूडेंट वीजा के लिए वेटिंग टाइम 300 दिन से अधिक हो चुका है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

आचरण की शुचिता

नोएडा में अवैध रूप से बनी दो गगनचुंबी इमारतों को अदालती आदेश पर गिराए जाने का मंजर अभी जेहन से मिटा भी न था कि मुंबई हाईकोर्ट ने अब केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के जुहू स्थित आठ मंजिला बंगले में हुए अवैध निर्माण को दो हफ्ते के भीतर तोड़ने का आदेश दिया है। अदालत ने उन पर 10 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। रसूखदार लोगों के खिलाफ आ रहे ऐसे फैसलों के यकीनन दूरगामी असर होंगे। ऊंची अदालतों का रुख ऐसी अराजक गतिविधियों के खिलाफ कितना सख्त हो चला है, इसका अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने तक मोहलत की राणे की मांग भी नहीं मानी गई। इस फैसले का एक साफ संदेश है कि सत्ता के ऊंचे पदों पर बैठे लोग किसी मुगालते में न रहें कि कानून उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। ऐसे न्यायिक निर्णय कानून के राज में जनता की आस्था मजबूत करते हैं। दुर्योग से, जिन लोगों से समाज को दिशा देने की अपेक्षा की जाती है, वे अब अपने विवादों से कहीं अधिक ध्यान खींचने लगे हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में कथित तौर पर विमान से उतारे जाने की बात सोशल मीडिया पर चंद मिनटों में वायरल हो गई। हालांकि, आम आदमी पार्टी ने इस पूरे प्रकरण को 'प्रॉपगैंडा' करार दिया है और उसकी विरोधी पार्टियां चटकारे ले-लेकर इस खबर को मीडिया में पेश कर रही हैं, मगर यह एक बेहद गंभीर मसला है। इसे राजनीतिक प्रहसन के रूप में कतई नहीं देखा जाना चाहिए। देश के प्रतिष्ठित सांविधानिक पदों पर बैठा हरेक व्यक्ति विदेशी जमीन पर किसी एक पार्टी या समुदाय का प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि वह पूरी भारतीय तहजीब की नुमाइंदगी कर रहा होता है। इसलिए जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को विदेशी सरजमीं पर अपने आचरण के प्रति खास सावधानी बरतने की जरूरत है। यह समूचे राजनीतिक वर्ग के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। इन दोनों प्रकरणों में हमारे राजनीतिक वर्ग के लिए बेहद जरूरी सबक हैं। राजनीतिक पार्टियां अक्सर दलील देती हैं कि चूंकि जनता ने चुनकर भेजा है, इसलिए वे मंत्री या मुख्यमंत्री हैं। यह बेहद लचर बचाव है। पार्टियां भूल जाती हैं कि मतदाताओं ने उनको जनादेश दिया था और वे उनसे साफ-सुथरी सरकार की उम्मीद करते हैं। जनता ने किसी को विजयी इसलिए बनाया, क्योंकि उसके सामने उन्होंने अपने प्रतिनिधि के तौर पर उसे ही उतारा था। ऐसे में, किसी भी जन-प्रतिनिधि के आचरण को लेकर संबंधित राजनीतिक दल की जवाबदेही अधिक है। विडंबना यह है कि इस पहलू पर सोचने के लिए कोई पार्टी तैयार नहीं। नतीजतन, विधायी संस्थाओं में दागियों की बढ़ती संख्या समूचे राजनीतिक वर्ग की साख लगातार धूमिल कर रही है। पल-पल बदलती राजनीतिक निष्ठा व प्रतिबद्धता के इस दौर में देश के भीतर पार्टियों को लज्जित होने और विदेश में देश को शर्मसार होने से बचाने के लिए बहुत जरूरी है कि वे अपनी सियासत में नैतिकता की पुनर्स्थापना करें। दागी और अगंभीर उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारने से पहले वे इसके गंभीर निहितार्थों पर विचार करें। भारतीय लोकतंत्र ऐसे उदाहरणों से दुनिया में सुर्खरू कतई नहीं हो सकता। 138 करोड़ की आबादी में से चंद हजार बाशऊर लोग यदि हमारे राजनीतिक दल नहीं ढूंढ़ पा रहे, तो वे देश को महान बनाने के दावे किस आधार पर कर सकेंगे?

ममता डर गईं या कोई रणनीति है?

कई बरस तक अरविंद केजरीवाल ने इस तरह की राजनीति की थी। वे नरेंद्र मोदी पर निशाना नहीं साधते थे। उनको पता था कि हिंदुओं का बड़ा तबका सबके बावजूद मोदी का प्रशंसक है। उसे ध्यान में रख कर केजरीवाल ने 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव तक राजनीति की और उसके बाद मोदी विरोध का तेवर अख्तियार किया। बहरहाल, चाहे ममता हों, मायावती हों या केजरीवाल हों, जब चुनाव जीतना नेताओं का एकमात्र मकसद बन जाता है तो वैचारिक प्रतिबद्धता की उम्मीद नहीं जा सकती है। दुर्भाग्य यह है कि इतने समझौते के बावजूद भी चुनाव जीतने की गारंटी नहीं होती है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी के तेवर नरम पड़ गए हैं। वे भाजपा के खिलाफ बयान अब भी दे रही हैं लेकिन उस तरह से लड़ नहीं रही हैं, जिसके लिए वे जानी जाती हैं। उनकी राजनीति में बदलाव यह आया है कि केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय एजेंसियों, सीबीआई और ईडी के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ते लड़ते अब वे प्रधानमंत्री को क्लीन चिट देने लगी हैं। वे राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की भी तारीफ करने लगी हैं और इतना ही नहीं, जिस कारोबारी के खिलाफ देश का समूचा विपक्ष एकजुट होकर हमला कर रहा है उसे हजारों करोड़ रुपए का काम भी दे रही हैं। तभी सवाल है कि वे केंद्र सरकार की एजेंसियों से डर गई हैं या किसी खास मकसद से उन्होंने अपनी रणनीति बदली है?

यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि ममता बनर्जी ने पिछले दिनों राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के प्रति नरमी दिखाई। उन्होंने कहा कि आरएसएस में सारे लोग बुरे नहीं हैं, बल्कि बहुत से लोग अच्छे हैं, जो भाजपा की राजनीति को पसंद नहीं करते हैं। अब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति नरमी दिखाई है। उन्होंने विधानसभा में कहा कि उनको नहीं लग रहा है कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ सीबीआई की कार्रवाई प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर हो रही है। उन्होंने मोदी को इस विवाद से दूर करते हुए कहा कि यह काम अमित शाह का हो सकता है क्योंकि सीबीआई अब प्रधानमंत्री को नहीं, बल्कि केंद्रीय गृह मंत्री को रिपोर्ट करती है। ममता ने कहा कि भाजपा के कुछ नेता अपने स्वार्थ के लिए साजिश रच कर सीबीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह भी खबर है कि पश्चिम बंगाल सरकार ने गौतम अडानी की कंपनी अंडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड को पूर्वी मिदनापुर के ताजपुर में डीप सी पोर्ट बनाने का 25 हजार करोड़ रुपए का ठेका दिया है। पिछले दिनों हल्दिया के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर एक डॉक के मेकेनाइजेशन का 298 करोड़ रुपए का एक ठेका भी उनकी कंपनी को मिला था। ममता की इस राजनीति से दो निष्कर्ष निकलते हैं। पहला और प्रत्यक्ष निष्कर्ष तो यह है कि ममता बनर्जी कुछ राहत हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को विवाद से अलग कर रही हैं। ममता का पूरा परिवार केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में है। उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी से तो ईडी की पूछताछ हो रही है, अभिषेक की पत्नी और ससुराल के कई लोग केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में हैं। पार्टी के दर्जनों नेताओं के ऊपर सीबीआई और ईडी की जांच की तलवार लटक रही है। ध्यान रहे कांग्रेस और तमाम विपक्षी पार्टियों का हमला प्रधानमंत्री मोदी पर है और उसके बाद अमित शाह निशाने पर हैं। लेकिन ममता ने मोदी को छोड़ कर शाह को निशाना बनाया है और कुछ अज्ञात भाजपा नेताओं पर निशाना साधा है।

ममता के इस बयान का एक दूसरा निष्कर्ष यह भी निकलता है कि वे रणनीति के तहत ऐसे बयान दे रही हैं। वह रणनीति व्यापक हिंदू समाज को यह मैसेज देना है कि वे नरेंद्र मोदी के खिलाफ नहीं हैं। ऐसा लग रहा है कि उनको जमीनी फीडबैक मिली है कि मोदी की लोकप्रियता कम नहीं हो रही है और मोदी पर हमला करने से बहुसंख्यक हिंदू समाज नाराज होता है। ऐसा लगता है कि इसी रणनीति के तहत उन्होंने आरएसएस के प्रति भी नरमी दिखाई थी। इसके आगे का काम विपक्षी पार्टियां खुद कर दे रही हैं। जब ममता बनर्जी ने आरएसएस के प्रति नरमी दिखाई तो कांग्रेस और लेफ्ट के नेताओं ने याद दिलाया कि ममता ने 2003 में आरएसएस के कार्यक्रम में हिस्सा लिया था और उसे देशभक्त संगठन बनाया था। उनके अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मंत्री रहने का मुद्दा भी विपक्ष ने उठाया। कांग्रेस और लेफ्ट के इस प्रचार से ममता का मकसद पूरा हो गया। संघ के स्वंयसेवकों से लेकर हिंदुओं के एक बड़े तबके में यह बात पहुंच गई कि ममता उनकी अपनी हैं और जरूरत पड़ने पर वे संघ व भाजपा के साथ जा सकती हैं। इसी रणनीति को आगे बढ़ाते हुए ममता ने मोदी के प्रति नरमी दिखाई है। उन्होंने मोदी समर्थकों को यह मैसेज दिया है कि ममता के लिए मोदी अछूत नहीं हैं। ममता के लिए ऐसा करना इसलिए जरूरी लग रहा है कि क्योंकि देश के मतदाता लोकसभा और विधानसभा चुनाव में अलग अलग तरीके से मतदान करना सीख गए हैं। वे दोनों चुनावों में अलग अलग पार्टियों को वोट करते हैं। बिहार, झारखंड, दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में यह ट्रेंड देखने को मिला है। इसलिए ममता को अंदेशा है कि विधानसभा में भले उनको छप्पर फाड़ सीटें मिली हैं लेकिन लोकसभा में तस्वीर बदल सकती है। आखिरी 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 18 सीटें जीत ली थीं, जबकि उस समय प्रदेश के मतदाताओं का उतना ध्रुवीकरण भी नहीं हुआ था, जितना अब हो गया है। अगर हालात ऐसे ही रहते हैं तो हैरानी नहीं होगी कि भाजपा पश्चिम बंगाल में फिर बहुत अच्छा प्रदर्शन करे। तभी ममता बनर्जी हिंदू मतदाताओं को साधने वाले दांव चल रही हैं। उनको पता है कि कांग्रेस और लेफ्ट का अस्तित्व काफी हद तक खत्म हो चुका है इसलिए मुस्लिम मतदाताओं के सामने तृणमूल के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ममता चाहे संघ की तारीफ करें या मोदी की, मुस्लिम उन्हीं को वोट देंगे। इसलिए वे बहुसंख्यक हिंदू वोट की चिंता में हैं। आने वाले दिनों में वे बंगाली अस्मिता का दांव भी चलेंगी और पहले बांग्ला प्रधानमंत्री की उम्मीद भी जगाएंगी।

इस तरह वे एक तीर से दो शिकार करने का प्रयास कर रही हैं। वे अपनी पार्टी के नेताओं और परिवार के सदस्यों को केंद्रीय एजेंसियों से बचाने की कोशिश कर रही हैं तो दूसरी ओर बहुसंख्यक हिंदुओं को मैसेज दे रही हैं कि वे हिंदू विरोधी नहीं हैं। यह काम अपनी तरह से उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती ने भी किया है। केंद्रीय एजेंसियों की चिंता में उन्होंने भी लड़ने-भिड़ने वाले तेवर छोड़ कर भाजपा के अनुकूल राजनीति की। उत्तर प्रदेश में वे भाजपा के बहुत काम आईं। उन्होंने समाजवादी पार्टी या कांग्रेस से तालमेल नहीं किया और प्रदेश की सभी सीटों पर इस तरह से उम्मीदवार उतारे, जिससे भाजपा विरोधी वोट बंट गए। इसका बड़ा फायदा भाजपा को हुआ। हालांकि उनकी रणनीति ममता बनर्जी की तरह नहीं है क्योंकि मायावती ने अपना नुकसान करके भाजपा को फायदा पहुंचाया है, जबकि ममता अपने फायदे के लिए यह दांव चल रही हैं। कई बरस तक अरविंद केजरीवाल ने इस तरह की राजनीति की थी। वे नरेंद्र मोदी पर निशाना नहीं साधते थे। उनको पता था कि हिंदुओं का बड़ा तबका सबके बावजूद मोदी का प्रशंसक है। उसे ध्यान में रख कर केजरीवाल ने 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव तक राजनीति की और उसके बाद मोदी विरोध का तेवर अख्तियार किया। बहरहाल, चाहे ममता हों, मायावती हों या केजरीवाल हों, जब चुनाव जीतना नेताओं का एकमात्र मकसद बन जाता है तो वैचारिक प्रतिबद्धता की उम्मीद नहीं जा सकती है। दुर्भाग्य यह है कि इतने समझौते के बावजूद भी चुनाव जीतने की गारंटी नहीं होती है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

बाईपास स्थित देवरीपाड़ा परिसर के जंगल में 20 वर्षीय युवक की निर्मम हत्या

मुंब्रा पुलिस द्वारा आरोपी को मात्र 12 घंटे के भीतर किया गया गिरफ्तार

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 19 सितंबर सोमवार दोपहर बाईपास स्थित देवीरीपाड़ा परिसर के करीब पानेरीपाड़ा जंगल में 20 वर्षीय युवक की निर्मम हत्या करने का मामला प्रकाश में आया है इस निर्मम हत्या के मामले में गत 20 सितंबर मंगलवार श्याम 7 बजे परिमंडल जोन एक के डीसीपी अविनाश अंबुरा द्वारा ली गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया गत 19 सितंबर सोमवार सुबह 11 बजे के आसपास पानेरीपाडा सैनिक नगर देवरीपाडा कौसा मुंब्रा ठाणे झोपडपट्टी के पास स्थानीय रहवासी द्वारा फोन कर सूचित किया गया की एक अज्ञात व्यक्ति की लाश पड़ी है जिसकी बड़ी निर्ममता से हत्या की गई है इस युवक का गला काटा गया है और दोनों पैर की नसें काट दी गई है सूचना मिलते ही घटनास्थल पर मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग अपनी पूरी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर लाश का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु के लिए लाश को कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल भेज दिया गया और मृतक की शिनाख्त करने में जुट गई छानबीन के बाद मृतक की शिनाख्त मोहम्मद इत्तेहाद मोहम्मद अब्दुल वाहिद वर्ष 20 रहवासी चरणीपाड़ा मुंब्रा का बताया जा रहा है मूल रूप से निवासी कहला,

पोस्ट उत्तर लक्ष्मीपुर, जिला मालदा टाउन राज्य पश्चिम बंगाल मृतक की शिनाख्त के बाद इस कथित तौर पर की गई निर्मम हत्या के मामले को गंभीरता से लेते हुए सरगर्मी से हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए तत्काल दो टीमों को तैयार कर आरोपी की छानबीन शुरू कर दी मृतक के पास से मिले फोन से शुरूआत की गई मोबाइल फोन पर आई आखरी कॉल के आधार पर आरोपी का लोकेशन पता करने में पुलिस को वक्त ना लगा और मुंब्रा पुलिस की मेहनत रंग लाई आरोपी को मुंबई बांद्रा बेहरामपाडा से धरदबोचा गया आरोपी के विरुद्ध में गुं:रेजिः कंः 868/2022 भारतीय दंड संहिता कलम की धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया आरोप का नाम सानीफ आंसु साही वर्ष 26 मूल निवासी कहला, पोस्ट उत्तर लक्ष्मीपुर जिला मालदा टाउन राज्य पश्चिम बंगाल यह आरोपी को ताबे में लेने के बाद कथित तौर पर की गई पूछताछ पर पता चला इस निर्मम हत्या में उसका एक और साथीदार झकीर शेख था यह दोनों ने साथ मिलकर हत्या जैसे संगीन वारदात को अंजाम दिया है यह आरोपी द्वारा कुबूल किया गया है हत्या का उपदेश डीसीपी ने बताया कि मृतक मोहम्मद इत्तेहाद ने आरोपी के छोटे भाई अलकरीम की साथ लोगों के साथ मिलकर 3 वर्ष पहले हत्या की थी और अपने छोटे भाई का बदला लेने के लिए आरोपी ने अपने दोस्त झकीर शेख के साथ मिलकर 18 सितंबर रविवार रात को निर्मम हत्या जैसे संगीन अपराध को अंजाम दिया फिलहाल आरोपी सानीफ आंसु साही को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और दूसरा आरोपी पुलिस द्वारा फरार बताया जा रहा है और उसकी सरगर्मी से तलाश मुंब्रा पुलिस द्वारा की जा रही है मुंब्रा पुलिस द्वारा मात्र 12 घंटों के भीतर ही हत्या की गुत्थी को सुलझाया गया जिसकी प्रशंसा की जा रही है इस कार्रवाई को मा सह पुलिस आयुक्त श्री पंजाबराव उगले पश्चिम प्रादेशिक विभाग ठाणे,मा पुलिस उपायुक्त परिमंडल एक के अविनाश अंबुरे, सहायक पुलिस आयुक्त कलवा विभाग के विलास शिंदे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग, पुलिस निरीक्षक क्राइम के बाबासाहेब निकम के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक कृपाली बोरसे, सहायक पुलिस निरीक्षक अजय कुंभार, पुलिस उप निरीक्षक मकानदार, पुलिस हवलदार एस ए खरे, पुलिस हवलदार अजीज तड़वी, पुलिस हवलदार तुषार महाले, पुलिस नाईक माळी, पुलिस सिपाही रूपश शेळके, पुलिस सिपाही भूषण खैरनार, पुलिस सिपाही प्रमोद जमदाडे यह तमाम पुलिस कर्मचारी और अधिकारी द्वारा यह कार्रवाई को अंजाम दिया गया आगे की इस मामले की छानबीन पुलिस निरीक्षक क्राइम के बाबासाहेब निकम द्वारा की जा रही है।

तीन लेन की सड़क दो लेन हुई, साइन बोर्ड भी गायब, साइरस मिस्त्री मौत के मामले में चौंकाने वाली रिपोर्ट

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। चार सितंबर एक दुर्घटना में टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष साइरस मिस्त्री और केपीएमजी ग्लोबल स्ट्रैटेजी ग्रुप के निदेशक जहांगीर पंडोले की मौत हो गई थी। दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कासा पुलिस स्टेशन, पालघर ने कई खामियों की ओर इशारा किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 48 को अचानक उस दिन तीन से दो लेन कर दिया गया था। इसके अलावा ड्राइवरों को सचेत करने के लिए न तो साइनबोर्ड थे और न ही सड़क के डिवाइडर और पुल पर पीले ब्लिंकर थे। गुजरात के भरूच में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के निदेशक को 6 सितंबर को कासा पुलिस स्टेशन के पुलिस उपाधीक्षक प्रशांत परदेशी ने एक पत्र लिखा। प्रशांत ही मामले की जांच कर रहे हैं।

पत्र में लिखा कि दुर्घटना वाली जगह सूर्या रिवर ब्रिज पर उस दिन गुजरात से मुंबई की ओर जाने वाले हाईवे को अचानक दो लेन में बदल दिया गया। जबिक पुल शुरू होने से पहले तीन लेन है। बिना किसी साइन बोर्ड के तीन लेन से दो लेन के अचानक परिवर्तन से गुजरात से मुंबई जाने वालों ड्राइवरों से गलती हुई। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत पुलिस अधीक्षक पालघर को एक आवेदन के बाद इंडियन एक्सप्रेस को एक प्राप्त बताया गया है कि तीन लेन से दो लेन में परिवर्तित होने वाली सड़क पर कम से कम एक साइनबोर्ड तो होना ही चाहिए था। एक लेन ड्रॉप साइनबोर्ड होना चाहिए था। 500 मीटर पुल से पहले रोड डायवर्जन साइन बोर्ड जरूरी है। कासा पुलिस स्टेशन की जांच के बाद एनएचएआई को भेजे गए पत्र में कई सुझावों को लेकर भी चर्चा की गई है जिसमें टू-लेन हाईवे को थ्री-लेन तक चौड़ा करना, रोड डिवाइडर पर पीले/काले रंग की पट्टी रखना और लगभग 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से वाहन की गति को नियंत्रित करना शामिल है। चरोटी पुल के सामने स्पीड साइनबोर्ड लगाया गया है। दुर्घटना स्थल पालघर जिले के कासा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

देश भर के पत्रकार मित्रों की भावनाओं का किया सम्मान, सियासी अखाड़े में सक्रिय होना टालाः जिग्नेश कलावाड़िया

जिग्नेश कलावाडिया के राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय होने के निर्णय के बाद, अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के केंद्रीय कार्यकारी ने एक ऑनलाइन बैठक की और जिग्नेश कलावाड़िया से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया, जिसके बाद उन्होंने देश भर के पत्रकार मित्रों की भावनाओं पर विचार किया। बयान में घोषणा की गई है कि राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय होने का फैसला टाल दिया गया है। जिग्नेश कलावड़िया ने एक प्रेस बयान में कहा है कि वह आने वाले दिनों में अपनी पूरी ऊर्जा देश भर में 'पत्रकार सुरक्षा कानून' की लड़ाई को मजबूत करने में लगाएंगे। वे सामाजिक क्षेत्र में वैचारिक जागरूकता के लिए भी सक्रिय रहेंगे।

दिल्ली एम्स में निधन

दिल्ली में ही 10 अगस्त को एक्सरसाइज करते उन्हें हार्ट अटैक आया था। उसके बाद से ही एम्स में भर्ती थे। इलाज में पता चला था कि दिल के एक हिस्से में 100% ब्लॉकेज है। पिछले 42 दिनों में कई बार बेहतर होती सेहत की खबरें आती रहीं। लेकिन आखिरकार आखिरी खबर आई राजू चला गया, ये कहते हुए कि जिंदगी में ऐसा काम करो कि यमराज भी आएं तो कहें कि भैंसे पर आप बैठिए, मैं पैदल चलूंगा.. आप नेक आदमी हैं। ये राजू की ही कही है। राजू कानपुर के रहने वाले हैं। लेकिन, उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में ही 22 सितंबर, यानी गुरुवार को सुबह 9:30 बजे निगमबोध घाट पर किया जाएगा।

अक्सा बीच के पास छिपकली तस्कर गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार, बीते 14 सितंबर की सुबह, नाथूराम सूर्यवंशी जोकि अक्सा बीच पर लाइफगार्ड के रूप में तैनात था। इस दौरान जब उसने एक शख्स को एक मॉनिटर छिपकली पकड़े हुए देखा तो ऐसे में लाइफगार्ड को देखते ही, आरोपी ने जल्दी से जानवर को प्लास्टिक की थैली में डाल दिया।इस पर सूर्यवंशी ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग और पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे,जिसके बाद आरोपी शख्स को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया है। हालांकि, यह छिपकली मरी पाई गई थी। वहीं, इस मामले पर महाराष्ट्र वन विभाग के मुंबई रेंज के वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि आरोपी को 15 सितंबर को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया था। जहां आरोपी की पहचान मलाड के मल्हार चॉल के रहने वाले गोरख चाखोजी जाधव (35) के तौर पर हुई है। ऐसे में आरोपी जाधव को स्थानीय कोर्ट में पेश किया गया है। जहां से उसे वन विभाग की हिरासत में भेज दिया है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आरोपी ने पूछताछ के दौरान बताया कि इस छिपकली का इस्तेमाल मुखयत घुटने और जोड़ों की समस्याओं से पीड़ित लोगों को दवा के रूप में किया जाता है। बता दें कि, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत इन दुर्लभ प्रजाति के जीवों को रखना या इनका व्यापार करना अवैध है। फिलहाल इस मामले की वन विभाग की टीम जांच-पड़ताल कर रही है।

अमेरिकी वीजा के वेटिंग टाइम से परेशान भारतीय

हजारों छात्रों और रोजगार आधारित वीजा पाने की तमन्ना 2023 में भी पूरी नहीं होने जा रही, क्योंकि 2022-23 के लिए एच1बी वर्क वीजा की 65 हजार की सीमा समाप्त हो चुकी है। अब इसके दरवाजे अप्रैल 2024 में ही खुलेंगे। 2019 में अमेरिकी वीजा के लिए लंबित आवेदनों की संख्या 60 हजार से भी कम थी। इसलिए इंटरव्यू का अपॉइंटमेंट हर महीने मिल रहा था। वीजा अपॉइंटमेंट भी नामुमकिन हो गया है। प्रतीक्षा का समय 700 दिन से ज्यादा हो चुका है। दिल्ली में विजिटर वीजा का वेटिंग टाइम 758 दिन और मुंबई में 752 दिन हो चुका है। हालांकि, अमेरिका का पर्यटन वीजा पाने में ज्यादा समस्या नहीं आ रही है। अमेरिका के नेशनल वीजा सेंटर की बैकलॉग रिपोर्ट के अनुसार, 31 अगस्त तक 4,16,856 आवेदन इंटरव्यू के लिए पेंडिंग थे। इनके अलावा 3,84,681 आवेदनों के लिए अभी इंटरव्यू की तारीख तय की जानी है। एक ट्रैवल एजेंसी के एजेंट का कहना है कि इतनी ज्यादा वेटिंग का मतलब यह है कि 2023 के बाद ही वीजा मिलेगा। विजिटर्स वीजा आवेदन की फीस 12 हजार रु. है। लाखों आवेदकों की यह रकम अमेरिकी सरकार के पास पहुंच रही है। दुनियाभर में ट्रेवल प्री-कोविड स्तर पर आ चुका है, लेकिन, कनाडा व न्यूजीलैंड का वीजा भी आसानी से नहीं मिल रहा। कनाडा का बैकलॉग 24 लाख हो चुका है।

रॉय कपूर फिल्म्स पान नलिन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित फिल्म 'छेलो' शो को लाएंगे भारतीय सिनेमा में

सिद्धार्थ रॉय कपूर की रॉय कपूर फिल्म्स दि लास्ट फिल्म शो (छेलो शो) रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है, जो पान नलिन भारतीय सिनेमा के तहत दर्शकों के बिच लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। गुजराती भाषा में आने वाले इस नाटक ने दुनिया भर के क्रिटिक्स और दर्शकों के दिलों पर कब्जा कर लिया है और अब 14 अक्टूबर 2022 को गुजरात के सिनेमाघरों और देश भर के स्क्रीन में रिलीज होगी। फिल्म रॉय कपूर फिल्म्स, जुगाड़ मोशन पिक्चर्स, मानसून फिल्म्स, छेलो शो एलएलपी, और मार्क ड्यूल द्वारा निर्मित है। ग्रामीण गुजरात में एक बच्चे के रूप में फिल्मों के साथ प्यार में पड़ने की निर्देशक पान नलिन की अपनी यादों से प्रेरित, छेलो शो डिजिटल क्रांति के शिखर पर है और मैजिक और प्रकाश के विज्ञान में फंसे नौ साल के लड़के का अनुसरण करता है। सामाजिक दबावों और आर्थिक अनिश्चितता दोनों के माध्यम से, वह 'फिल्म शो' के लिए अपने जुनून का पीछा पूरी भक्ति के साथ करता

है, जो कि तकनीकी उथल-पुथल से बेखबर है जो उसकी बाधा बन रही है। ग्रामीण गुजरात में एक बच्चे के रूप में फिल्मों के प्यार में पड़ने की निर्देशक पान नलिन की अपनी यादों से प्रेरित, दि लास्ट फिल्म शो (छेलो शो) डिजिटल क्रांति के शिखर पर है और मैजिक और प्रकाश के विज्ञान में फंसे नौ साल के लड़के का अनुसरण करता है। सामाजिक दबावों और आर्थिक अनिश्चितता दोनों के माध्यम से, वह 'फिल्म शो' के लिए अपने जुनून का पीछा पूरी भक्ति के साथ करता है, जो कि तकनीकी उथल-पुथल से बेखबर है जो उसकी बाधा बन रही है। यह एक प्रामाणिक, ऑर्गेनिक और भावनात्मक रूप से प्रभावित नाटक है जो फिल्मों, भोजन और दोस्तों के इर्द-गिर्द सेट है। दि लास्ट फिल्म शो (छेलो शो) का वर्ल्ड प्रीमियर रॉबर्ट डी नीरो के ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में उद्घाटन फिल्म के रूप में हुआ था और स्पेन में 66 वें वलाडोलिड फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन स्पाइक सहित विभिन्न इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में कई पुरस्कार जीते हैं, जहां इसने व्यावसायिक आनंद भी लिया। अपने नाट्य प्रदर्शन के दौरान सफलता। निर्देशक पान नलिन के काम में संसार, फूलों की घाटी और एंग्री इंडियन गॉडेसेज जैसी पुरस्कार विजेता फिल्में शामिल हैं, जो फेस्टिवलऔर आम दर्शकों दोनों के साथ सफल रही हैं।

भाई कन्हैया जी की बरसी पर स.सी.से. स्कूल पत्रेवाला में बच्चों को मानवता की सेवा के बारे में जागरूक किया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। हमें महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर जाति-पाति के भेदभाव से उपर उठकर खुद के जीवन को मानवता की सेवा में लगाना चाहिए। इन बातों का प्रगटावा मानव सेवा समिति (रजि.), अबोहर के चेयरमैन सुभाष मानव द्वारा उस समय किया गया जब आज वो भाई कन्हैया जी की बरसी पर मानव सेवा संकल्प दिवस के बारे में सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल गांव पत्रेवाला में स्कूल के बच्चों को सम्बोधन कर रहे थे। सबसे पहले सुभाष मानव द्वारा स्कूल की प्रिंसिपल नवजोत कौर खैहरा, ललित कुमार कंप्यूटर साइंस अध्यापक और समूह स्टाफ का धन्यवाद किया गया और फिर स्कूल के बच्चों को सम्बोधन करते हुए भाई कन्हैया जी के जीवन के बारे में बताया गया कि उनके द्वारा कैसे अपना पूरा जीवन मानवता की सेवा में समर्पित किया गया। इसके बाद सुभाष मानव ने संस्था द्वारा मानवता की भलाई के लिए की जा रही सेवाओं के बारे में स्कूल के समूह स्टाफ और बच्चों को विस्तार से जानकारी दी। सुभाष मानव ने कहा कि कोई भी व्यक्ति संस्था में अपनी रजिस्ट्रेशन करवा कर संस्था के साथ जुडकर मानवता की भलाई के सेवा कार्यों में अपना योगदान दे सकता है और कोई भी व्यक्ति संस्था द्वारा दी जा रही मानवता भलाई की सेवाओं का लाभ उठा सकता है। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा बच्चों को सेवा के नक्शेकदम पर चलने के लिए संकल्प लेने के लिए कहा गया और मानव सेवा समिति (रजि.), अबोहर के सदस्यों सुभाष मानव, राम कुमार और अंकिता का इस अवसर पर स्कुल में पहुंच कर बच्चों को सेवा के सबंध में जागरूक करने के लिए धन्यवाद किया और उन्हें स्कूल की तरफ से एक यादगार चिन्ह भेट किया गया।

हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह शेखावत के बलिदान दिवस पर जोधपुर में आयोजित होगा राष्ट्रीय महासम्मेलन: गौड़

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान प्रदेश विधिक सलाहकार एडवोकेट पीरु सिंह गौड़ ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि रावणा राजपूत समाज द्वारा मेजर दलपत सिंह शेखावत के 104वें बलिदान दिवस के उपलक्ष में 23 सितंबर को पूरे भारत वर्ष में विभिन्न आयोजनों के माध्यम से मेजर साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। मेजर दलपत सिंह शेखावत (देवली) के बलिदान दिवस पर श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सिंह भाटी व प्रदेशाध्यक्ष रणजीत सिंह सोडाला के नेतृत्व में जोधपुर स्थित रावण का चबूतरा मैदान में राष्ट्रीय महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में देश- विदेश से

लाखो समाजबंधु इस आयोजन में शामिल होकर मेजर साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। राष्ट्रीय महासम्मेलन का उद्देश्य मेजर दलपत सिंह शेखावत की वीर गाथा को पाठ्यक्रम में शामिल करवाना। राजस्व रिकॉर्ड संशोधन केवल एक ही नाम रावणा राजपूत अंकित करवाना। समाज को विशेष जाति का दर्जा देते हुए अलग से आरक्षण दिलवाना।उन्होंने बताया कि मेजर दलपत सिंह शेखावत (देवली) ने 1918 में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व करते हुए वीर योद्धा मेजर दलपत सिंह शेखावत ने 900 सैनिकों के साथ मिलकर तुर्की के सवा लाख सैनिकों को मारकर इजरायल के हाइफा शहर को आजाद करवाया था। इस युद्ध में मेजर साहब वीरगति को प्राप्त हुए। लउन्होंने अपनी वीरता और शौर्य का परिचय देकर तोपो का मुकाबला तलवारों से कर इजरायल के हाइफा शहर को 1 घंटे में आजाद करवा दिया। उन्होंने 400 वर्ष पुराने ऑटोमेन साम्राज्य का अंत कर दिया।

जयपुर में आनन्द भारती सिनियर सेकण्डरी स्कूल द्वारा गोवंश को बचाने के लिए सराहनीय अभियान

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जयपुर में आनन्द भारती केयर एंड डेवलपमेंट सोसायटी, द्वारा संचालित आनन्द भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल द्वारा गोवंश को लम्पि बीमारी से बचाने हेतु आयुर्वेदिक दवा से बने लड्डुओं का प्रतिदिन 500 गयो को ये दवा प्रतिदिन खिलाने के एक अभियान चलाया गया है। जिसमें मुख्य भूमिका सुनीता चौधरी, उप प्रधानाचार्य, लक्ष्मीनारायण प्रधानाचार्य, सुरेश वैष्णव व स्कूल के छात्र/ छात्राओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा ले रहे है। संस्था सचिव इन्दिरा लाम्बा ने बताया कि इससे विद्यर्थियों व कर्मचारियों में समाजसेवा या सेवाभाव की भावना जागृत होगी। आज से रोजाना गोवंश बचाने का कार्यक्रम संस्था सचारु रूप से चालू रखेगी। बीमार गायों की सेवा हेतु 5 सदस्यीय टीम बनाई गई है। जिसमे सभी समाजो के लोग बढ़चढ़कर भाग ले रहे है। जो समाजसेवी गायों की सेवा सुषुर्वा में लगे हैं उन्हें तथा दैनिक मुंबई हलचल, दैनिक खबर का असर के राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ का समाज में जाग्रति लाने के लिए तहे दिल से साधुवाद व धन्यवाद दिया है।

जोधपुर में जॉयन्टस सेवा सप्ताह के अंतर्गत विद्यालय व आश्रम में सेवा की शुरूआत की गई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान जॉयन्टस ग्रुप ऑफ आशापूर्णा पाल द्वारा जॉयन्टस सेवा सप्ताह के चतुर्थ दिवस पर विद्यालय में आज सुबह सेवा कार्य का उद्घाटन किया तथा शाम को आश्रम में कच्ची खाद्यान्न सामग्री भेंट कि जाएगी। संस्था के अध्यक्ष डॉ देवेश गुप्ता ने बताया कि जॉयन्टस सेवा सप्ताह के अंतर्गत आज निरंतर चतुर्थ दिवस पर ग्रुप साथी नवीन जैन के सहयोग से उनकी धर्मपत्नी स्व. सुनिता जैन के जन्मदिन के अवसर पर उनकी याद में सालावास रेलवे स्टेशन के पास स्थित महात्मा गांधी सरकारी विद्यालय, सालावास के सम्पूर्ण भवन तथा चार दिवारी को मरम्मत कार्य करवा कर रंगरोगन किया गया जिसका उद्घाटन आज प्रातः संस्था के सम्मानित साथियों, गांव के गणमान्य अतिथियों, स्कूल स्टाफ व विद्यार्थियों कि उपस्थित में किया गया। पुरे स्कूल प्रांगण में नया कलर होने से अलग ही आभा बिखर रही थी। इसके अलावा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए क्लास में लिखने पढ़ने के लिए टेबल व बैंचों के सेट उपलब्ध करवाए गए वहीं आज ही शाम को कुड़ी हाऊसिंग बोर्ड स्थित विमंदित पुनर्वास गृह में ग्रुप साथी अमित सिंह के सहयोग से कच्ची खाद्यान्न सामग्री भेंट कि जाएगी। कार्यक्रम मे सालावास ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों, नागरिकों के अलावा फाऊंडेशन 9 के उपाध्यक्ष के सी भाटी, निदेशक अभिषेक गुप्ता, ग्रुप अध्यक्ष डॉ देवेश गुप्ता, उपाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह राठौड़, अरुण अग्रवाल, जयमल सिंह माली, एम के गुप्ता व नवीन जैन कि उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था के सभी पदाधिकारियों का ग्रामवासियों व स्कूल प्रशासन द्वारा साफा पहनाकर व माल्यार्पण से स्वागत किया गया। उक्त जानकारी वरिष्ठ समाजसेवी सिंह राठौड़ ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

ज़िंदगी यूँ ही आसान नहीं होती/काँटों को भी हमराज बनाना पड़ता है: इंदु भाटिया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। विश्व कीर्तिमान प्राप्त साहित्य कला संस्कृति धारक आभासी पटल 'द मैजिक मैन एन चंद्रा' के 'दिल से दिल तक' कार्यकम में चर्चित राष्ट्रीय साहित्यकार राजपाल यादव 'राज' की सुपुत्री मिसेज इंडिया डीएमवी एवं मिस फोटोजेनिक-2022(यूएसए) इंदु भाटिया का शानदार साक्षात्कार चर्चित ऐंकर सोनाली बोस द्वारा कल लिया गया जिसे देश विदेश के लगभग 750 से अधिक लोगों ने लाइव देखा। इस अद्भुत कार्यक्रम से देश के नामचीन साहित्यकार कवि शिक्षाविद एवं मीडिया पर्सन भी जुड़े रहे।अभी तक दो हजार से अधिक लोग इस कार्यक्रम को देख चुके हैं। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार काव्य कोर्नर फाउंडेशन के कार्यकारी अध्यक्ष राजपाल यादव ने बताया कि गत जुलाई अगस्त में वर्जीनिया यूएसए में रह रही दो बच्चों की माँ इंदु भाटिया ने मिसेज इंडिया डीवीएम-2022 का खिताब जीतकर सबको आश्चर्य चकित कर दिया था उसके बाद उन्होंने मिस फोटोजेनिक 2022 का भी खिताब हासिल किया और मिसेज इंडिया यूएसए प्रतियोगिता में टॉप पाँच में स्थान बनाकर 2023 के शुरू में भारत में होने वाली मिसेज इंडिया 2023 प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई कर लिया। मीडिया प्रभारी वर्मा के अनुसार इंदु भाटिया ने कहा कि सवा घंटे चले इस रोचक संवाद में इंदु ने ऐयर होस्टेस बनने से लेकर यूएसए में रियल्टर व सौंदर्य प्रतियोगिता तक के अपने सफर की सक्सेस स्टोरी के अनेक पहलुओं को उजागर किया। धनबाद (झारखंड) में स्कूली शिक्षा और कोलकाता यूनिवर्सिटी से इंग्लिश आनर्स से ग्रेजूएशन और कोल इंडिया में पिता के साथ अनेक स्थानों पर स्थानांतरण से अलग अलग जगह का अनुभव उनके इस मुकाम में सहायक रहा।पर्सनल और प्रोफेशनल ज़िंदगी का सामंजस्य भी इसमें सहायक सिद्ध हुआ। इंदु ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान दूसरे प्रतिभागियों का विपरीत परिस्थितियों में भी मनोबल देखकर उसका भी आत्मविश्वास बढ़ा और उसने सभी राउंड पार करते हुए सफलता हासिल की।अपनी

सफलता का श्रेय उसने अपने माता पिता के साथ साथ पति लोकेश भाटिया(बॉबी), दो बच्चों रणवीर और रेहान, सास ससुर और अपने ट्रेनर आयोजक एवं मित्रों को दिया है। उनका कहना है कि यदि दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास हो तो कठिन से कठिन मुकाम को भी हासिल किया जा सकता है। मीडिया प्रभारी के अनुसार इस लाइव शो के दौरान अंतरराष्ट्रीय व्यंग्यकार हरीश नवल, मैजिक मैन नरेश चंद्र जोशी, नीता जोशी, डा. दमयंती शर्मा, सोनिया सोनम अक्स, शिक्षक एवं साहित्यकार गुरुदीन वर्मा,साहित्यकार वीणा अग्रवाल, डा पूजा गंगानिया, राजेश प्रभाकर, मोनिका शर्मा, शिल्पा वर्मा, अलका शर्मा, श्याम नारायण यादव, राजेंद्र निगम राज, रश्मि अभया, सरोज शर्मा, भारती पूजा भारद्वाज, सुषमा गर्ग, जयदेव पंड्या, पूनम श्रीवास्तव, श्वेता श्रीवास्तव, रजनीश गोयल, अर्पणा थपिलयाल, रश्मि चिकारा, चाँदनी केशरवानी आदि सैंकड़ों साहित्यकारों ने सुंदर सुंदर टिप्पणियाँ देकर अपना आशीर्वाद प्रदान किया। सोनाली बोस ने अपने मधुर अंदाज में संचालन से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए।

वाय एस एस बल्ड ग्रुप को ऐपीजे अब्दुल कलाम गौरव इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। वाय एस एस बल्ड ग्रुप जोधपुर के जिला प्रभारी अशफाक हुसैन आफरीदी ने बताया की ऐपीजे अब्दुल कलाम रक्तदान समिति की जानिब से आज जोघपुर के अध्यक्ष नदीम बक्ष के नेतृत्व मे बल्ड सेवा पिछ्ले 10, 12 ,सालो से नि स्वार्थ खिदमत को अंजाम देते आ रहे हे। ग्रूप संगठन मंत्री राम स्वरूप शर्मा ने बताया की सभी सदस्यों को अपनी अपनी जिम्मेदारी से जोघपुर के हर सरकारी व प्राईवेट हास्पिटल मे आने वाले आसपास के क्षेत्रो से गांवो से आने वालो मरीजो को बल्ड खुन को लेकर किसी तरह की कोई परेसानीयो का सामना नही करना पड़े विशेष डेंगू के मरीजो को उसके चलते अपनी पुरी टीम को अलग अलग जगाहो पर उनको जिम्मेदारी सोप कर नि स्वार्थ इनकी सेवा को देखते हुए आज ऐपीजे अब्दुल कलाम रक्त दान समिति सिलवाड़ के अध्यक्ष जहीन चंदेरी ने जोघपुर की वाय एसएस बल्ड ग्रुप टीम को गौरव इंडिया अवार्ड देकर सम्मानित किया जिस से पुरे ग्रूप मे खूशी लहर छा गयी है।

प्रमोशन के बाद पदस्थापन की प्रतिक्षा में मदन सालवी ओजस्वी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। चित्तौडगढ में ओजस्वी के उप नाम से कौन नहीं वाकिफ होगा। श्रम विभाग चित्तौडगढ में कार्यरत मदन सालवी ओजस्वी का अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी पद पर हाल ही में सरकार ने प्रमोशन किया है। चित्तौडगढ में अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी की पोस्ट नही होने से अब ओजस्वी को चित्तौडगढ से अन्य संभाग स्तर पर पदस्थापन की सभांवना है। सामाजिक सरोकारों के प्रहरी ओजस्वी जन जागरूकता के लिऐ हटकर पहचान के साथ ही कलम के धनी होकर श्रम विभाग में अपनी विशेष उल्लेखनीय पहचान स्थापित कर चुके ओजस्वी ने, रात्री चोपालें हो या प्रशासन गावों संघ अभियान या इश्रम कार्ड पंजीयन आदि में विशेश पहचान के धनी जन जागरुकता में अव्वल, साहित्य जगत में अनूठी मिशाल, जन समस्याओ के निराकरण में पहल के अगुवा, ओजस्वी का पदस्थापन अब सामान्य जिलों से हटकर अब सभांग स्तर पर ही होने से पदस्थापन मिलते ही कार्यमुक्त हो सकते है। हम सभी गणमान्य जन, सामाजिक जागरूक कार्यकर्ताओं, कर्मचारीगन, अधिकारीगण आदि की शुभकामनाऐ सदा साथ रहेगी। मदन सालवी ओजस्वी के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी पद पर प्रमोशन पर प्रसन्नता के साथ ही ओजस्वी जहां कहीं भी पदस्थापन हों वे अपनी अनुठी पहचान बढाते रहेगें। पुनः हम सभी की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं।

पुलिस अधीक्षक से मुंगथला व खडात प्रधानाचार्य के विरूद्ध मुकदमा दर्ज किया जाए: गहलोत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। कैन्सर पीडित दम्पति सत्यनारायण बैरवा एवं उनकी शिक्षिका पत्नी सविता बैरवा को न्यायालय स्थगन के बावजूद पिछ्ले 3 वर्षां से हैरान परेशान कर शासन के आदेश के बावजूद 114 दिवस के वेतन भुगतान नहीं कर पद एवं प्रभाव का दुरूपयोग करने वाले मुंगथला एवं खडात प्रधानाचार्य के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करने को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत एवं महामंत्री डॉ.हनवन्तसिंह मेडतिया के नेतृत्व में सैकडो शिक्षकों ने पुलिस अधीक्षक के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवाराम चौधरी को ज्ञापन दिया। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार संघ (प्रगतिशील) के जिला मंत्री इनामुल हक कुरैशी ने बताया कि प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत के नेतृत्व में सैकडों शिक्षकों ने मुंगथला व खडात प्रधानाचार्य द्वारा मुख्यमंत्री प्रकोष्ठ में दर्ज प्रकरण पर निष्पक्ष जांच के बाद विभागीय स्तर पर लम्बित 114 दिवस की अवधि का वेतन भुगतान करने के निदेशक प्रा.शि.बीकानेर एवं संयुक्त निदेशक स्कूली शिक्षा, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा सिरोही द्वारा जारी आदेश के बावजूद हठधर्मिता एवं तानाशाही से शासन के आदेशों की निरन्तर कर रहे अवहेलना पर संगठन द्वारा शिक्षा मंत्री डॉ.बी.डी. कल्ला, एस.सी. आयोग के अध्यक्ष खिलाडीलाल बैरवा, मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं विधायक संयम लोढ़ा, जिला कलेक्टर डॉ.भंवरलाल, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष महलावत को भी मामले से अवगत कराने पर मामले की गम्भीरता को देखते हुए जिला प्रशासन को शासन के आदेश की कठोरता से पालना सुनिश्चित करने के आदेश के बावजूद पालना नहीं कर आदेश को अनसुना करना शासन के आदेश की घोर अवहेलना एवं पद व प्रभाव के दुरूपयोग की श्रेणी में आता हैं। इसको लेकर संगठन ने दोनो प्रधानाचार्यों के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता 167 के तहत मुकदमा दर्ज करने की पुलिस प्रशासन से मांग की। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने जांच कर मामला दर्ज करने का आश्वासन दिया। मीडिया प्रभारी ने बताया कि व इस अवसर पर जिलाध्यक्ष देवेश खत्री, सभाध्यक्ष भगवतसिंह देवडा, उपशाखा सिरोही अध्यक्ष इन्दरमल खण्डेलवाल, शिवगंज अध्यक्ष छगनलाल भाटी, रेवदर अध्यक्ष विनोद नैनावत, आबुरोड सत्यनारायण बैरवा, रमेश रांगी, विक्रमसिंह सोलंकी, जसवन्तसिंह परमार, छगनलाल कुम्हार, सविता शर्मा, धर्मेन्द्र खत्री, भीखाराम कोली, रमेश परमार, नवनीत माथुर, ओमजीलाल शर्मा, अयुब खान, भंवरसिंह दहिया, सत्य प्रकाश आर्य, सविता बैरवा, शाहिस्ता परवीन, उषा चौरसिया, राजकुमारी माथुर, गणेशकुमार, भंवरलाल हिन्डोनिया, बंशीलाल नोगिया, अशोककुमार, जसराज, हुसैन कायमखानी, रधुनाथ मीणा, महेन्द्र पाल परमार, नवनीत शर्मा, रणजीत राठौड, जोराराम मेघवाल, हरीराम कलावंत, प्रवीण जानी, रणलाल मीणा, प्रवीण मीणा, उमेश प्रजापत, भरत कुमार घांची, नरेन्द्रसिंह आढा, भगवतसिंह मोरली, भंवरसिंह, दिलीपसिंह परमार, रमेशकुमार दहिया, सुरेश वसेटा, लोकेश चारण, कान्तिलाल मीणा, मगनलाल परिहार, धीरेन्द्रसिंह सांखला, अशोक मालवीय, शैलेन्द्र खत्री, वरूण खत्री, जीवन प्रकाश, शंकर राणा, रमेश खत्री, राजेश त्रिवेदी, सुरेश रावल सैकडों पदाधिकारियो की उपस्थिति थे।

दैनिक मुंबई हलचल

जरुरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये द. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कनिष्ठ अभियंता प्रभाग क्र.168 (इमारत व कारखाने) विभाग विशाल चौधरी व सहायक अभियंता किरण कुमार अन्नमवार की जोड़ी करे कमाल

एल/विभाग के जय व बिरु कहे जाने वाली जोड़ी की भूमिका संदिग्ध

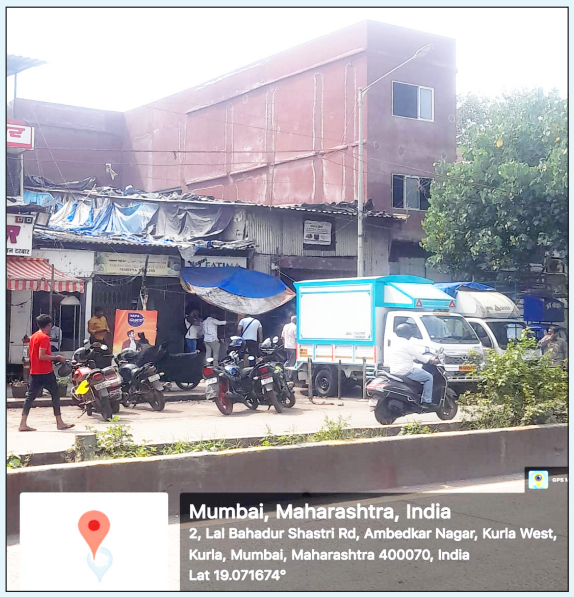

भूमाफिया को मालामाल व मनपा को कंगाल बना रहे अधिकारी

ठेकेदार अवैध निर्माणकर्ता समीर गब्बर की भूमिका वाले को मिली खुली छूट

ठाकुर के भूमिका वाले सहायक आयुक्त महादेव शिंदे के नाम का किया जा रहा है दुरूपयोग

अवैध निर्माणकर्ता ठेकेदार समीर के गाला क्र.12 शिवाजी कुटीर मंडल समीप लखनऊ जायका होटल एल बी एस मार्ग कुर्ला (प.) पर बने अवैध निर्माण पर आखिर कब होगा कार्रवाई?

दै. मुंबई हलचल /अजय उपाध्याय

मुंबई। कुर्ला मनपा एल/विभाग वॉर्ड के भ्रष्ट अधिकारी व ठेकेदारों के समर्थन के चलते वार्ड में अवैध निर्माण की बाढ़ आ गयी है। अवैध निर्माण में लिप्त ठेकेदारों को मनपा द्वारा दी गयी विशेष छूट के चलते अवैध निर्माणकर्ता व भूमाफिया विभागीय अधिकारियों को चुनौती दे रहे है। ऐसा ही मामला प्रभाग क्र.168 के कार्यक्षेत्र अंतर्गत गाला क्र.12 शिवाजी कुटीर मंडल एल बी एस मार्ग पर देखने को मिल रहा है। जहां अवैध विकासक ठेकेदार समीर धड़ल्ले से अवैध निर्माण कर रहा

MMC ACT 354A

MUNICIPAL CORPORATION OF GREATER MUMBAI
STOP WORK NOTICE UNDER SECTION 354 (A) OF
MUMBAI MUNICIPAL CORPORATION ACT, 1888

Notice No.:L/DO1L/168/354A-MMC ACT/L686N01/30-08-2022 Date: 30/08/2022

Ref No.: 150777

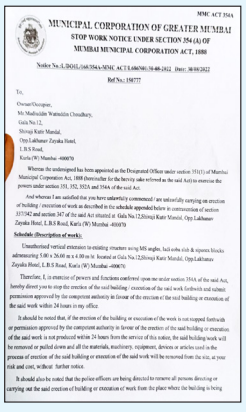

To,
Owner/Occupier,
Mr.Madiuddin Watiuddin Choudhary,
Gala No.12,
Shivaji Kutir Mandal,
Opp.Lakhanav Zayaka Hotel,
L.B.S Road,
Kurla (W) Mumbai -400070

Whereas the undersigned has been appointed as the Designated Officer under section 351(1) of Mumbai Municipal Corporation Act, 1888 (hereinafter for the brevity sake referred as the said Act) to exercise the powers under section 351, 352, 352A and 354A of the said Act.

And whereas I am satisfied that you have unlawfully commenced / are unlawfully carrying on erection of building / execution of work as described in the schedule appended below in contravention of section 337/342 and section 347 of the said Act situated at Gala No.12,Shivaji Kutir Mandal, Opp.Lakhanav Zayaka Hotel, L.B.S Road, Kurla (W) Mumbai -400070

Schedule (Description of work):

Unauthorised vertical extension to existing structure using MS angles, ladi coba slab & siporex blocks admeasuring 5.00 x 26.00 m x 4.00 m ht located at Gala No.12,Shivaji Kutir Mandal, Opp.Lakhanav Zayaka Hotel, L.B.S Road, Kurla (W) Mumbai -400070

Therefore, I, in exercise of powers and functions conferred upon me under section 354A of the said Act, hereby direct you to stop the erection of the said building / execution of the said work forthwith and submit permission approved by the competent authority in favour of the erection of the said building or execution of the said work within 24 hours in my office.

It should be noted that, if the erection of the building or execution of the work is not stopped forthwith or permission approved by the competent authority in favour of the erection of the said building or execution of the said work is not produced within 24 hours from the service of this notice, the said building/work will be removed or pulled down and all the materials, machinery, equipment, devices or articles used in the process of erection of the said building or execution of the said work will be removed from the site, at your risk and cost, without further notice.

It should also be noted that the police officers are being directed to remove all persons directing or carrying out the said erection of building or execution of work from the place where the building is being

सहायक आयुक्त महादेव शिंदे एल/विभाग मनपा कार्यालय

कनिष्ठ अभियंता विशाल चौधरी प्रभाग क्र.168 इमारत व कारखाने विभाग एल विभाग मनपा

सहायक अभियंता किरण कुमार अन्नमवार प्रभाग क्र.168 इमारती व कारखाने विभाग एल विभाग मनपा

है। इस अवैध निर्माण को स्टॉप वर्क नोटिस दिनांक 30/08/2022 को जारी की गई थी और दिनांक 6 सप्टेंबर को इस अवैध निर्माण की खबर प्रकाशित की गयी थी। इसके बावजूद भी अवैध निर्माण दिन दुगुना और रात चौगुना के तर्ज पर कर लिया गया है और कोई कारवाई हुयी नही है। इससे यह संशय उत्पन्न हो रहा है कि इस अवैध निर्माण का पूरा होना भ्रष्टाचार नही तो क्या है। देखना यह है कि यह खबर पुनः प्रकाशित होने के बाद क्या विभागीय अधिकारी तोड़क कार्रवाई करेंगे या भ्रष्टाचार की मलाई चाटकर अभयदान देगे।

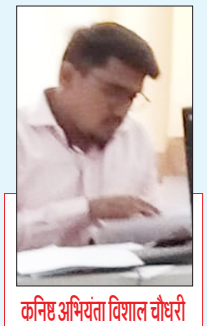

घरेलू कलह से तंग आकर बड़ी वारदात को दिया अंजाम, पत्नी की हत्या के बाद मां बच्चे को जख्मी कर पेट्रोल पम्प मालिक राजेश ने ट्रेन से कटकर की खुदकुशी

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। विद्यापतिनगर साहिट गांव के व्यवसायी पेट्रोल पम्प मालिक स्व0 राजेश्वर प्रसाद सिंह के 48 वर्षीय पुत्र राजेश प्रकाश उर्फ निशु ने कैंसर रोग से पीड़ित पत्नी अनामिका सिंह की तेज धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर खुद ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर ली। बीच बचाव करने गयी वृद्ध मां कुमोद सिंह (70) व दो बच्चे को जख्मी कर दिया। घटना बुधवार की सुबह की है। घटना की जानकारी बड़ी बेटी प्रियदर्शिनी ने जान बचाकर घर से भाग चाचा के घर पहुंच कर जानकारी दी, तब परिवार के अन्य सदस्य घटना स्थल पहुंचे। इस बीच हत्यारोपी के घर से फरार होने की जानकारी लोगों को मिली। हत्यारोपी राजेश की खोज में परिवार के लोग जुट गये। एक घंटा बाद राजेश की ट्रेन से कटकर मौत की जानकारी मिली। पेट्रोल पंप मालिक राजेश प्रकाश ने बछवाड़ा थाना अंतर्गत फातिहा हाल्ट रेलवे के निकट मालवाहक ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर ली थी। इसकी जानकारी रेलवे पुलिस ने स्थानीय थाना को दी। घटना में जख्मी मृतक की मां कुमोद

सिंह, बेटा राजवीर (14) पुत्री नंदिनी (11) की चिकित्सा स्थानीय पीएचसी में करायी जा रही है। घटना की जानकारी पर डीएसपी दिनेश कुमार पांडेय, एसएचओ प्रसुंजय कुमार पुलिस बल के साथ पहुंच मृतक कि पत्नी के शव को कब्जे में लेकर पति राजेश के शव को घर पहुंचने के इंतजार के साथ मामले की छानबीन कर रही है। डीएसपी ने बताया कि पत्नी से विवाद के कारण घटना घटी है। विवाद के कारण राजेश डिप्रेशन में आकर पत्नी की हत्या कर खुद ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर ली। घटना सुबह नौ बजे घर के किचेन में होने की बतायी गयी है। घटना से परिवार के सदस्य स्तब्ध हैं। घटना का ठोस कारण का पता नहीं चल पा रहा है। मृतक की जख्मी मां कुमोद सिंह के होश आने पर घटना की वास्तविक जानकारी उपलब्ध हो पाएगी। मृतक राजेश प्रकाश आर्थिक रूप से संपन्न घराने के बताये जाते हैं। अच्छी खासी आर्थिक स्थिति के साथ दो अलग अलग पेट्रोल पम्प के मालिक थे। थाना क्षेत्र के गढ़ सिसई में नंदनी फ्लूयल सेंटर व साहिट गांव की मुख्य सड़क किनारे रिद्धिमा फ्यूल नाम का पेट्रोल पम्प अच्छा खासा व्यवसाय कर रहा है। ऐसे में राजेश के डिप्रेशन में होने की बात लोगों के गले नहीं उतर रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हरी बीन्स से ही मिलेंगे आपको10 कमाल के फायदे, डाइट में खाएं जरूर

बीन्स हरे रंग की फलियां होती हैं। पोषण से भरपूर बींस में प्रोटीन तथा घुलनशील फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है और इसमें वसा कम होता है। वसा मुक्त होने के कारण यह शरीर के लिए पोषक तत्वों का सबसे अच्छा स्त्रोत है खासकर विटामिंस और खनिज का। जब भी हेल्दी खाने की बात आती है तो उसमें बीन्स को जरूर शामिल किया जाता है। सूखी व हरी दोनों ही तरह की बीन्स हेल्थ के लिए बहुत अच्छी होती है। हरी बीन्स में पर्याप्त मात्रा में विटामिन ए, सी, के और बी 6 पाया जाता है। ये फॉलिक एसिड का भी एक अच्छा स्त्रोत हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि बाकी हरी सब्जियों की तरह ही इसके सेवन से भी वजन कम करने में मदद मिलती है। यह एक ऐसी सब्जी है जिसे कहीं भी आसानी से उगाया जा सकता है और यह लगभग पूरे साल बाजार मिल जाती है। आइए जानते हैं कि हरी बीन्स को डाइट में शामिल करने से क्या-क्या फायदे मिलते है?

वजन घटाने में मददगार - अगर तमाम कोशिशों के बाद भी आपका वजन कम नहीं हो रहा तो आप डाइट में हरी बीन्स को जरूर शामिल करें।बीन्स से बने उत्पादों का सेवन करके आप अपना मोटापा घटा सकते हैं। हरी बिन्स में कैलोरी भी कम होती है। साथ ही साथ यह ऑयरन के साथ मिलकर रेड ब्लड सेल्स बनाने में भी मदद करता है। प्रोटीन से भरपूर हरी बिन्स से पेट भरा रहता है जिससे आपको बार-बार खाने की क्रेविंग नहीं होती।

डायबिटीज - हरी बीन्स में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो डायबिटीज को बढ़ने से रोकते हैं। इसमें पर्याप्त मात्रा में डायट्री फाइबर्स और कार्बोहाइड्रेट्स पाए जाते हैं। मधुमेह के मरीजों के लिए इसे आदर्श सब्जी माना जाता है।

मजबूत हड्डियां - बीन्स में कैल्शियम पाया जाता है जिससे हड्डियां मजबूत होती है। इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन ए, के और सिलिकॉन भी हड्डियों के लिए फायदेमंद होते हैं। इन पोषक तत्वों की कमी होने पर हड्डियां कमजोर हो जाती हैं।

इम्यून सिस्टम - हरी बीन्स में में एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जिससे इम्यून सिस्टम बेहतर बनता है। ये पुरानी कोशिकाओं की मरम्मत करता है और नई कोशिकाओं को बनने में मदद करता है।

आंखों की रोशनी - मौजूद होते हैं जो आंखों के अंदरूनी हिस्से के तनाव को कम करने का काम करते हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद कई तरह के लवणों से आंखों की रोशनी भी बेहतर बनती है।

कोलोन कैंसर - हर रोज हरी बीन्स के सेवन से एक खास किस्म के कोलोन कैंसर के होने का खतरा कम हो जाता है।

हार्ट प्रॉब्लम करें दूर - फ्लेवेनॉएड्स की मौजूदगी की वजह से बीन्स दिल के लिए भी काफी फायदेमंद होते हैं। रोज बिन्स खाने से दिल की बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है साथ ही ये खून का थक्का नहीं जमने देते।

पेट को रखें हेल्दी - बीन्स के नियमित सेवन से पेट भी हेल्दी रहता है। इनके सेवन से पेट में खाना पचाने का काम अच्छे से होता है और गैस, कब्ज और मरोड़ की परेशानी नहीं होती है।

पीरियड्स में दर्द को करें कम - ग्रीन बीन्स की सब्जी खाने से महिलाओं को पीरियड्स के दौरान होने वाली समस्या में काफी आराम मिलता है क्योंकि इसमें फैट्स और कोलेस्ट्रॉल कम होता है और यह फाइबर व प्रोटीन का बहुत बढ़िया स्त्रोत है।

बढ़ती उम्र से बचाएं - ग्रीन बीन्स की सब्जी अपनी डाइट में शामिल करने से आप लंबे समय जवां बने रह सकते हैं क्योंकि इसे खाने से शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं। इसे खाने से आपको बहुत जल्दी फर्क नजर आने लगेगा।

जवां रहने के लिए रोज खाएं राजमा, 6 गंभीर बीमारियां होंगी दूर

राजमा को किडनी बीन्स के नाम से भी जाना जाता है। भारत समेत दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में राजमा बहुत चाव से खाया जाता है। ज्यादातर लोग राजमा सिर्फ स्वाद के लिए खाते हैं, सेहत के लिए नहीं लेकिन ये स्वाद में तो बेस्ट है ही साथ ही यह पूरे शरीर को पोषण भी देता है। राजमा गुणों की खान है क्योंकि इसमें ऐसे ढेर सारे गुण होते हैं जो आपके पूरे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। आयरन और विटामिन्स से भरपूर राजमा में कई ऐसे एंटी एजिंग एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट्स उम्र के प्रभाव को कम करते हैं इसलिए अपने आहार में राजमा को शामिल करने से आप लंबे समय तक खूबसूरत और जवान दिख सकते हैं।

बढ़ती उम्र का असर करें कम - राजमा में लो फैट प्रोटीन होता है इसलिए ये दिल की बीमारियों के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें मौजूद प्रोटीज नामक तत्व कैंसर से लड़ने और उम्र के प्रभाव को कम करने में मदद करता है। राजमा में मौजूद विटामिन ए आपको जवां बनाए रखने में मदद करता है। ये बढ़ती उम्र की परेशानियों से बचाता है। हर रोज बीन्स के सेवन से आप खुद में जल्द ही बदलाव महसूस करेंगे।

एंटीऑक्सिडेंट्स गुणों से भरपूर - राजमा का प्रयोग रूमेटिक, आर्थराइटिस तथा पेशाब से जुड़ी समस्या की दवा बनाने के लिए किया जाता है। राजमा में एंटीआक्सीडेंट की मात्रा भी काफी होती है। एंटीआक्सीडेंट शरीर में कोशिकाओं की मरम्मत के लिए अच्छा माना जाता है। साथ ही इसे खाने से बॉडी के टॉक्सिन्स दूर होते हैं और स्किन में निखार आता है।

कैंसर से बचाव - राजमा में फ्लेवोनॉइड्स के साथ-साथ केंपफ्रेरॉल और क्यूरेस्टिन होता है जो कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकता हैं। सप्ताह में तीन से चार बार राजमा का सेवन महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर की समस्या से बचाता है। सीमित मात्रा में राजमा का सेवन करने से पाचन क्रिया भी दुरुस्त रहती है और पेट से जुड़ी बीमारियां होने का खतरा भी नहीं रहता है।

प्रेग्नेंसी में है फायदेमंद - प्रेग्नेंसी के दौरान राजमा के सेवन से गर्भ में पल रहें शिशु के दिल का विकास सही ढंग से होता है। अध्ययन बताते हैं कि यह शिशु को अस्थमा से बचाने में भी सहायक है इसलिए इसे गर्भवती महिला के आहार में राजमा शामिल करें। इसके अलावा ये स्किन में ग्लो भी लाता है।

पीरीयड संबंधी प्रॉब्लम्स - राजमा में फैट्स और कोलेस्ट्रॉल कम होता है और यह फाइबर व प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। इसके नियमित सेवन से महिलाओं में पीरियड के दौरान होने वाली समस्या में काफी आराम मिलता है। मेनोपॉज के दौरान इसका सेवन महिलाओं के लिए बहुत जरूरी है।

डायबिटीज - राजमा का 'ग्लाइसेमिक इन्डेक्स' कम होता है। इसका मतलब होता है कि जिस तरह से दूसरी खाने की चीजें खाने से खून में शुगर का लेवल बढ़ जाता है, राजमा खाने के बाद ऐसा नहीं होता। राजमा में मौजूद फाइबर ब्लड में शुगर का लेवल ठीक बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके साथ ही इसमें कैल्शियम, मैंगनीज होता है जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं। इसमें मैग्नीशियम होता है जिससे दिल की बीमारियों से बचाव होता है।

सुबह पानी में मिलाकर पिएं ये चीजें, स्किन हमेशा होगी Glowing

चेहरे पर होने वाले दाग-धब्बे, पिंपल्स, मुहांसे खूबसूरती को खराब कर देते हैं। इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए लड़कियां महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं लेकिन कैमिकल्स युक्त यह चीजें त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकती है। साथ ही इतनी महंगी क्रीम्स लेना हर किसी के बस में नहीं होता। ऐसे में आप घर पर ही इन समस्याओं से निजात पाने का इंतजाम कर सकते हैं। दमकती त्वचा पाने के लिए शरीर को अंदर से साफ करना बेहद जरूरी है, जिसके लिए स्किन डिटॉक्स वॉटर बेहतरीन तरीका है। जी हां, पानी में कुछ चीजें मिलाकर पीने से ना सिर्फ आपकी त्वचा डिटॉक्स होगी बल्कि यह आपकी स्किन प्रॉब्लम्स को दूर करने में भी मदद करेगी।

पानी में मिलाकर पिएं ये चीजें

दालचीनी
पानी में दालचीनी और एक सेब का टुकड़ा डालकर उसे अच्छी तरह उबाल लें। फिर इसे छानकर खाली पेट पिएं। इससे ना सिर्फ बॉडी के टॉक्सिन्स बाहर निकलेंगे बल्कि यह ब्लड सकुर्लेशन को भी तेज करेगा। इससे आपके चेहरे पर निखार भी आएगा।

स्ट्रॉबेरी
दिनभर में पानी में स्ट्रॉबेरी मिलाकर पिएं। इसमें मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट जैसे तत्व चेहरे के दाग-धब्बे को गायब कर देंगे।

शहद
गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीने से ना सिर्फ चर्बी कम होती है बल्कि यह त्वचा को ग्लोइंग भी बनाता है। साथ ही इससे स्किन के स्पॉट भी गायब हो जाते हैं।

पुदीना
पुदीने का पानी पीने से पेट और स्किन दोनों साफ रहते हैं। अगर आप सुबह पुदीने वाला पानी पीते हैं तो इससे दाग-धब्बे गायब हो जाते हैं। तो अगर आप भी ग्लोइंग स्किन चाहते हैं तो रोजाना पुदीने वाला पानी पिएं।

चिया सीड्स
ग्लोइंग स्किन के लिए आप पानी में चिया के सीड्स मिलाकर भी पी सकते हैं। इस सुपरफूड में एंटीऑक्सिडेंट्स और ओमेगा-3 भरपूर मात्रा में होती है, जिससे बेजान त्वचा में भी जान आ जाती है।

नींबू, एप्पल साइडर विनेगर
यह डिटॉक्स वॉटर पीने से शरीर की गंदगी पसीने के साथ निकल जाती है। नींबू की जगह आप 1 गिलास पानी में 1 चम्मच एप्पल साइडर विनेगर मिलाकर भी पी सकती हैं।

➤अगर आप किसी बीमारी के पेशेंट हैं तो इन ड्रिंक्स का सेवन करने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

लीड रोल में नजर आयेंगी रवीना टंडन

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन 90 के दशक में लोगों के दिलों पर राज करती थीं। एक्ट्रेस ने अपनी खूबसूरती और दमदार एक्टिंग के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में एक खास मुकाम हासिल किया था। हालांकि अपनी शादी के बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों से दूरी बना ली थी। मगर अब एक लंबे ब्रेक के बाद रवीना के एक बार फिर फिल्मी दुनिया में वापसी कर ली है। केजीएफ और आरण्यक के बाद अब एक्ट्रेस का हिंदी सिनेमा में बड़े पर्दे पर कमबैक होने जा रहा है। फिल्मों से दूरी बना चुकी रवीना को साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म केजीएफ में प्रधानमंत्री के किरदार में देखकर हर कोई दंग रह गया था। हालांकि एक्ट्रेस ने इतने सालों बाद भी लोगों को अपने अभिनय से एक बार फिर अपना दीवाना बना दिया था। वेब सीरीज आरण्यक में पुलिस ऑफिसर के रोल में भी रवीना को लोगों ने बहुत पसंद किया। खबर के मुताबिक, रवीना टंडन अब बॉलीवुड फिल्म पटना शुक्ला में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्माण सलमान खान के भाई अरबाज खान की प्रोडक्शन कंपनी के बैनर तले होने वाला है। वहीं इस फिल्म का डायरेक्शन विवेक बुडाकोटी करेंगे। पटना शुक्ला से पहले अरबाज खान प्रोडक्शन के बैनर तले दबंग, दबंग 2, दबंग 3 और 'डॉली की डोली' जैसी कई फिल्में बन चुकी हैं। पटना शुक्ला को लेकर फिल्म मेकर अरबाज खान ने बताया कि जब विवेक बुडाकोटी हमारे पास 'पटना शुक्ला' की स्क्रिप्ट लेकर आए तो फिल्म की कहानी मुझे काफी अच्छी लगी। इस फिल्म का विषय सामाजिक मुद्दे पर है। रवीना टंडन इस फिल्म में लीड भूमिका निभा रही हैं। रवीना टंडन ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। यह फिल्म भी उनके करियर की बेहतरीन फिल्म साबित होगी।

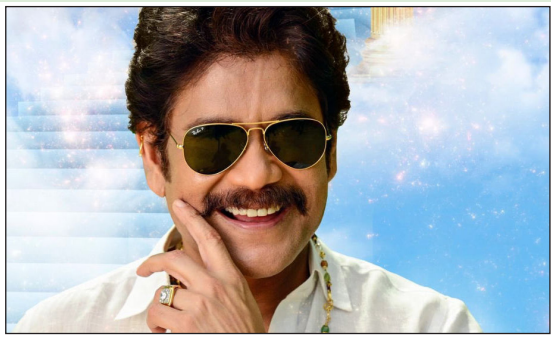

हिंदी फिल्मों में काम करना दिली सुकून देता है : नागार्जुन

अनुभवी अभिनेता नागार्जुन ने कहा कि जब भी हिंदी फिल्मों की बात आती है तो वह हमेशा ऐसे मौके की तलाश में रहते है जो उन्हें दिली सुकून देता है और यही वजह है कि उन्होंने बॉलीवुड से कई वर्षों की दूरी के बाद 'ब्रह्मास्त्र पार्ट वन : शिवा' में काम किया। उन्होंने दो दशक बाद हिंदी सिनेमा में वापसी की है और अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित काल्पनिक पौराणिक कथा पर आधारित फिल्म में अतिथि भूमिका(कैमियो) निभायी है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट है। नागार्जुन (63) ने कहा, मुझे बेहद शानदार भूमिकाएं मिल रही थीं। मुझे हैदराबाद में रहना पसंद है। मैंने हमेशा बॉलीवुड में खास भूमिकाएं निभायी हैं। मैंने शुरूआत से जो भी किया है, उसमें मेरे लिए सबसे अहम लोगों का मनोरंजन करना है। जो भी भूमिकाएं मैंने निभायी है, वे मेरी तलाश में आयी, मैं कभी उनकी तलाश में नहीं गया।

शहनाज गिल को लेकर अली जफर को हुई ये गलतफहमी

पाकिस्तानी एक्टर-सिंगर अली जफर को शहनाज के बारे में बहुत बड़ी गलतफहती हो गई थी। अली जफर ने बताया कि जब उन्होंने शहनाज का नाम सुना, तो उन्हें लगता था कि शहनाज गिल कोई पाकिस्तानी लड़की है। अली जफर ने उनके इस तरह की सोच रखने की वजह भी बताई। अली जफर ने बताया, शहनाज बड़ा पाकिस्तानी सा नाम है। ये शहनाज गिल कौन हैं? क्या ये कोई पाकिस्तानी हैं? फिर मैंने उन्हें देखा, तो उनकी शक्ल भी काफी लाहौरी टाइप शक्ल है। इसी इंटरव्यू मे पाकिस्तानी एक्टर अली जफर ने शहनाज गिल को लेकर और भी बहोत कुछ कहा। अली जफर ने यहां तक की शहनाज को एक बड़ा ऑफर भी दे दिया। अली जफर ने कहा कि अगर शहनाज गिल सुन रही हैं तो मैं उनके साथ अपने किसी सॉन्ग में कोलैबोरेट करना चाहूंगा।